1 H/W
18/10/21

नाम- अंशुमान महालिंग, कक्षा-६ (6) विभाग-'क' (A)
रोल नंबर (क्रमांक) - ९ (9) स्कूल नंबर -3660 (३६६०)

Date 18/10/21
Page 41

W1

Revision worksheet

रिक्त स्थान भरिए:-

१- एक दुनिया रचे आओ हम प्यार की।
२- अजनबी हो भले हाथ अपने मगर।
३- इन सवालों का कुछ आज मतलब नहीं।
४- एक धरती ने हमको दिया है जनम।

समान तुक वाले शब्द लिखिए-

५ दुनिया - लिया, दिया, सिया
६- अपने - सपने, छपने
७- मान - सामान, अभिमान
८- टूटते - रूठते, फूटते

९- आप के विचार में छोटे बालकों की दुनिया में क्या क्या होना चाहिए?
उ) मेरे विचार में, छोटे बालकों की दुनिया में प्यार, शांति, मौजमस्ती, खेलकूद आदि होना चाहिए।

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

१०. तीन मित्र कौन-कौन थे?
क) दो हंस, एक कछुआ

W2

२२- किसे दूसरे तालाब में जाने की समस्या थी?
(ख) कछुए को

२२- तालाब सूख गया क्योंकि
(क) बहुत गरमी थी।

२३. हंसों ने कहा कि उपाय तो अच्छा है, पर
(क) तुम बातूनी होने के कारण रास्ते में बात नहीं करना

२४. अपने पैर पर स्वयं कुल्हाड़ी मारने का अर्थ है:
(क) अपना नुकसान स्वयं करना।

२५- कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए
उ-) एक दुनिया रचें पाठ का सारांश -
यह दुनिया बहुत बड़ी है, यहां विभिन्न जाति, धर्म, वेशभूषा आदि के लोग रहते है। इतनी सारी विभिन्नता के बाद भी हम इस दुनिया में एकता और शांति से मिलजुलकर रहते है। हमें इसी तरह अपने अंदर की एकता को बरकरार रखना चाहिए। भेद-भाव की दीवारों को तोड़ देना चाहिए। हमें अपने बीच के प्यार और शांति के कड़ी को मज़बूत बनाकर एकता बढ़ानी चाहिए और इसी को बरकरार रखना चाहिए, जिससे हम और ज़्यादा ~~उन्नति कर सकें।~~ विकास कर सकें।

तितली की सीख पाठ का सारांश –
एक बार एक तितली एक खूबसूरत बाग के अंदर फूलों के रस चूसने के लिए गई। उस तितली के पंख बड़े सजीले और रंग-बिरंगे थे। वह एक कली के ऊपर बैठ गई जो एक डाली पर बैठी थी। वह कली खिली नहीं थी और उसने तितली को कहा– "मुझे अभी बहुत सोना है। तुम किसी खिले फूल पर जाओ और मुझे मत सताओ।" तब तितली ने कली से आलस छोड़कर यह सुंदर सी दुनिया देखने कहा और चली गई।

२६– अनुच्छेद लिखिए

मेरा भारत महान

मैं भारत देश का एक गर्वित छात्र हूँ। भारत एक ऐसा देश है, जिसमें रहने वाले हर आदमी, औरत और बच्चों को गर्वित होना चाहिए। हमारे देश में कई महान लोग पैदा हुए हैं जिन्होंने अपने भारत माता को स्वतंत्रता दी– महात्मा गांधी, सुभाष चंद्र बोस, बी.आर. अम्बेदकर, जवाहरलाल नेहरू आदि। लोग जैसे आचार्य पी.सी. रॉय, जगदीश चंद्र बोस, ए.पी.जे अब्दुल कलाम आदि। इन सभी ने साबित करदिया, कि भारत की मिट्टी सबसे ज्यादा पवित्र है और इसी में कई महान लोग पैदा हुए हैं। हमारे देश का संविधान दुनिया में सबसे बड़ा है और हर इंसान को समानता देता है। हमारे देश का झंडा तिरंगा है– पैहला

रंग भारत की प्रगति और समृद्धि को दर्शाता है, शफेद रंग शांति और अहिंसा को दर्शाता है और हरा रंग हरियाली को दर्शाता है, बीच में स्थित अशोक चक्र समय के साथ भारत की होने वाली प्रगति को दर्शाता है। आज हमारे भारत का नाम दुनिया भर में हर क्षेत्र में जाना-माना है। भारत ने लग-भग हर क्षेत्र, जैसे पढ़ाई, खेल-कूद आदि में परिचय बनाया है। हमें आगे अपने देश की प्रगति को और बढ़ाना चाहिए और देश की सेवा करना चाहिए। ज़रूरत पड़ने पर हमें अपना जीवन भी त्याग देना चाहिए हमारे भारत की भलाई के लिए। जो लोग ऐसा नहीं करेंगे, उन्हें यहाँ रहने का कोई अधिकार नहीं। मेरा भारत महान

२७- कितनी बार कहा है पेड़ पर मत चढ़ना - किसने किससे कहा?
उ- यह बात मोहन के ~~बड़े भ~~ बड़े भाई ने मोहन को कहा।

२८- मोहन रोते हुए किसके पास गया?
उ- मोहन रोते हुए माँ के पास गया।

२९- माँ ने मोहन से क्या पूछा?
उ- माँ ने मोहन से पूछा - "अगर बड़े भाई ने तुम्हें मारा है, तो तुमने कोई शरारत की होगी?"

२०- माँ ने ऐसा क्यों कहा कि तुम भी जाकर उसे मारो?
उ-) मा ने ऐसा इस लिए कहा क्योंकि उन्होंने सोचा की भाइयों की बीच नोंक-झोंक तो होती रहती है।

२१- मोहन क्यों उदास हो गया?
उ-) जब मा ने मोहन को बड़े भाई को मारने के लिए कहा, तो मोहन उदास हो गया।

२२- मोहन ने ऐसा क्यों कहा कि मुझे मारना क्यों सिखाती हो?
उ-) मोहन ने ऐसा कहा क्योंकि उसे पता था बड़ों को मारना अच्छी बात नहीं है और हिंसा का बदला अहिंसा से भी लिया जा सकता है।

२३ माँ ने मोहन को गोदी में भरकर क्या कहा?
उ-) माँ ने मोहन को गोदी में भरकर कहा- "तुझे ऐसी बातें कहाँ से सूझती है, रे मोहन?"

२४. पाठ में बुद्धदेव के वाणी के बारे में क्या कहा गया है?
उ-) पाठ में बुद्धदेव के वाणी के बारे में कहा गया, कि- मनुष्य क्रोध को प्रेम से, पाप को सदाचार से और मिथ्या भाषण को सत्य से जीत सकेगा।

२५- पाठ का संदेश क्या है?
उ-> पाठ का संदेश है कि हमें बड़ों का आदर करना चाहिए और ~~अहिंसा~~ हिंसा का बदला अहिंसा से भी लिया जा सकता है।

२६- हंस और कछुआ पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए। (४ से ५ वाक्यों में)
उ-> मगध देश में फुल्लोत्पल तालाब के किनारे तीन दोस्त जिनमें एक कछुआ और दो हंस थे, रहते थे। एक बार कुछ मछुआरे मछलियाँ और कछुए को पकड़ने के लिए वहाँ आए। यह बात हंसों ने कछुए और मछलियों को बता दी और कछुआ चिंतित हो गया। उन्होंने यह योजना बनाई कि- हंस एक डंडी को दो सिरों से पकड़ेंगे और कछुआ बीच में से पकड़ेगा, पर वह अपना मुँह नहीं खोलेगा। जब वे एक गाँव के ऊपर से उड़ रहे थे, तब कुछ बच्चों ने कछुए को पकड़ने की बात की तो कछुए ने गुस्से से अपना मुँह खोलकर कह दिया- "तुम क्या खाक पकड़ोगे मुझे।" और गिरकर मर गया।

२७- हंस और कछुआ पाठ का मूल उद्देश्य क्या है?
उ-> हंस और कछुआ पाठ का मूल उद्देश्य हमें मुसीबत के समय ठंडे दिमाग से और शांति से सोचना सिखाना है।

२८- इस कहानी के अंत में क्या हुआ?
उ-> इस कहानी के अंत में कछुआ संयम न रखते हुए मुँह खोल दिया जिससे नीचे गिर गया और मर गया।

२९- तितली कली को क्यों जगा रही है?
उ-> तितली कली को आलस छोड़कर इस सुंदर सी दुनिया को देखने के लिए जगा रही है।

३०- आलस करनेवालों का क्या हाल होता है?
उ-> आलस करनेवालों का काम समय से नहीं पूरा होता है और वे पछताते रहते हैं।

३२- तितली की सीख कविता के माध्यम से कवि हमें क्या संदेश चाहते हैं?
उ-> तितली की सीख कविता के माध्यम से कवि हमें आलस त्याग कर अच्छे से काम करने की और इस सुंदर दुनिया का मज़ा लेने का संदेश दे रहे हैं।

२- दो दिन विद्यालय में अनुपस्थित रहने के कारण विद्यालय के अध्यक्ष को प्रार्थना पत्र लिखिए।

सेवा में,
प्रधानाचार्य,
ओ.डी.एम ~~पब्ली~~ पब्लिक स्कूल,
पटिया, शिशुविहार, भुवनेश्वर,
विषय- बीमारी के ~~कारण~~ संदर्भ में

मान्यवर,
सविनय निवेदन है कि मैं, अंसुमान महान्ति, कक्षा- ६, विभाग-'क' का छात्र, बीमारी के कारण दो दिन विद्यालय को आने में असमर्थ हूँ। अगर आप कृपा करके मुझे १९/१०/२१ और २०/१०/२१ को छुट्टी प्रदान करेंगे, तो मैं आपका सदा आभारी रहूँगा।
धन्यवाद सहित,

आपका आज्ञाकारी छात्र,

अंसुमान महान्ति,
कक्षा - ६,
दिनांक- १८/१०/२१

३३. गांधीजी के बारे में २० वाक्य लिखिए।
उ-> गांधी जी का पूरा नाम मोहन दास करमचांद गांधी है। वे गुजरात के पोरबंदर में, १८६९ को २ अक्टूबर को जन्म हुए थे। उनके पिताजी का नाम करमचांद गांधी और माता जी का नाम पुतलीबाई था। वे भारत के एक महान व्यक्ति थे। उन्होंने भारत को स्वतंत्रता दिलाई, और उन्हें भारत के राष्ट्रपिता के नाम से जाना जाता है। उन्होंने सन् 1905 में स्वदेशी आंदोलन में अंग्रेजी माल पे रोक लगाकर स्वदेश में चीजें बनाने को लोगों

में उत्साह भर दिया। उन्होंने दांडी मार्च में नमक के व्यापार पर रोक लगाया। उन्होंने १९२० के असहयोग आंदोलन में ऐसा भाषण दिया और लोगों को भारत माता की सुरक्षा के लिए ऐसे उकसाया, कि कॉलेज के बच्चों भी आंदोलन में हिस्सा लेने लगे। वे हमेशा सत्य और अहिंसा के पथ पे चलते थे। उनके जैसे महान लोग पृथ्वी में बहुत कम होते हैं।

३४. हंस का चित्र बनाकर उसके बारे में ५ वाक्य लिखिए

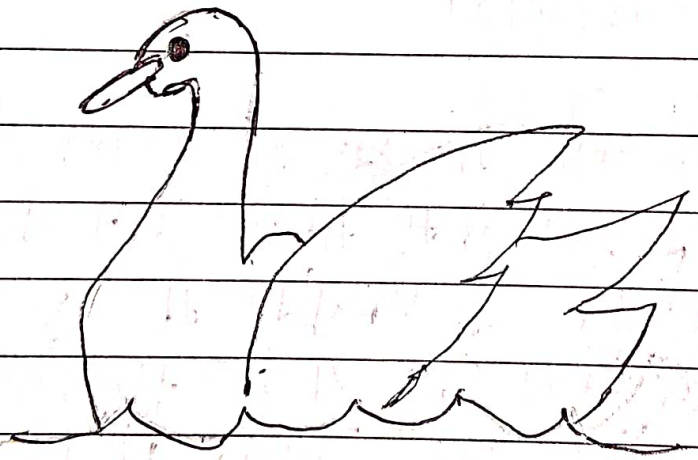

यह एक हंस का चित्र है। हंस पानी में तैर सकते हैं और आसमान में उड़ भी सकते हैं। उनका रंग सफ़ेद होता है। हिंदू धर्म में उन्हें शांति का प्रतीक माना जाता है। वे पानी में उगते पौधों को खाते हैं और छोटे छोटे मछलियाँ,

W10

कीड़े और मेंढकों को भी खाते हैं।

३५. विलोम शब्द लिखिए-
राजा-प्रजा
प्रेम-घृणा
देश-~~परदेश~~ विदेश
आना-जाना